चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.9.22	7	3-5

पेड़ जीवन का आधार व पर्यावरण के सच्चे योद्धा : कुलपति काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज पौधारोपण करने के बाद पौधे की सिंचाई करते हुए।

हिसार, 7 सितम्बर (विरेंद्र वर्मा) : पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को ये प्राकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा पेड़ सही मायने में पर्यावरण के सच्चे योद्धा हैं, जो इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं और हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। मिट्टी से जहरीले पदार्थों को सोखना, तापमान को नियंत्रित करना, भूमि के कटाव को रोकना, जैव विविधता बढ़ाना, ईंधन व इमारातों के लिए लकड़ी प्रदान करना, विभिन्न प्रकार की औषधियां बनाना आदि में पेड़ बहुत सहायता करते हैं। इसलिए पौधारोपण को सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और इनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

हकृवि का 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव दौरान विश्वविद्यालय ने 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है जिसे विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कौल व बावल में कृषि महाविद्यालयों के साथ मुख्य परिसर हिसार में विभिन्न कॉलेजों व निदेशालयों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

किसानों को उच्च गुणवत्ताशील बीज दे रहा विश्वविद्यालय

इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट जनों का स्वागत करते हुए अनुसंधान फार्म पर जारी शोध कार्यों का ब्यौरा दिया जबकि बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र कुमार मोर ने खरीफ फसलों के प्रजनक बीज उत्पादन बारे जानकारी दी और कुलपति को प्रजनक बीज क्षेत्र का अवलोकन करवाया। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय किसानों को उच्च गुणवत्ताशील बीज दे रहा है। कार्यक्रम के अंत में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.9.22	2	6.7

पेड़ जीवन का आधार और मानव जाति को ये प्रकृति का अनमोल उपहारः वीसी

एचएयू के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज पौधारोपण करने के बाद अधिकारियों के साथ।

भास्कर न्यूज | हिसार

पेड़ हमारे जीवन का आधार है और मानव जाति को ये प्रकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए।

उन्होंने कहा पेड़ सही मायने में पर्यावरण के सच्चे योद्धा हैं, जो इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं और हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। मिट्टी से जहरीले पदार्थों को सोखना, तापमान को नियंत्रित करना, भूमि के कटाव को रोकना, जैव विविधता बढ़ाना, ईंधन व इमारतों के लिए लकड़ी प्रदान करना, विभिन्न प्रकार की औषधियां बनाना आदि में पेड़ बहुत सहायता करते हैं। इसलिए पौधारोपण को सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और हर व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और इनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

एचएयू का 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्यः वीसी ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव दौरान विश्वविद्यालय ने 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है जिसे विश्वविद्यालय के प्रदेशभर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कौल व बावल में कृषि महाविद्यालयों के साथ मुख्य परिसर हिसार में विभिन्न कॉलेजों व निदेशालयों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

किसानों को उच्च गुणवत्ताशील बीज दे रहा विश्वविद्यालयः अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट जनों का स्वागत करते हुए अनुसंधान फार्म पर जारी शोध कार्यों का ब्यौरा दिया जबकि बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र कुमार मोर ने खरीफ फसलों के प्रजनक बीज उत्पादन बारे जानकारी दी और वीसी को प्रजनक बीज क्षेत्र का अवलोकन करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	8 9.22	3	3-5

आजादी अमृत महोत्सव में 75 हजार पौधे लगाएगा एचएयू

हिसार। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को ये प्रकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर कांबोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए व्यक्त किए।

कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव दौरान विश्वविद्यालय ने 75 हजार पौधे लगाने का लक्ष्य रखा है। जिसे विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित कृषि विज्ञान केंद्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केंद्रों, कौल व बावल में कृषि महाविद्यालयों के साथ मुख्य परिसर हिसार में विभिन्न कॉलेजों व निदेशालयों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। अनुसंधान निदेशक डॉ. जीतराम शर्मा ने शोध कार्यों का ब्यौरा दिया। संवाद

एचएयू में आयोजित कार्यक्रम में पौधरोपण करते कुलपति प्रो. बीआर कांबोज व अन्य। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	8.9.22	3	1-3

पेड़ जीवन का आधार व पर्यावरण के सच्चे योद्धा : कुलपति

हिसार, 7 सितम्बर (ब्यूरो): पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को ये प्रकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए।

उन्होंने कहा पेड़ सही मायने में पर्यावरण के सच्चे योद्धा हैं, जो इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं और हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। मिट्टी से जहरीले पदार्थों को सोखना, तापमान को नियंत्रित करना, भूमि के कटाव को रोकना, जैव विविधता बढ़ाना, ईंधन व इमारतों के लिए लकड़ी प्रदान करना, विभिन्न प्रकार की औषधियां बनाना आदि में पेड़ बहुत सहायता करते हैं। इसलिए पौधारोपण को सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और इनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

कुलपति प्रो. काम्बोज ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव दौरान विश्वविद्यालय ने 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है, जिसे विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कौल व बावल में कृषि महाविद्यालयों के साथ मुख्य परिसर हिसार में विभिन्न कॉलेजों व निदेशालयों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। इस मौके पर वैज्ञानिकों, शोधार्थियों व कर्मचारियों ने पर्यावरण को साफ सुथरा बनाने की शपथ ली।

पौधारोपण करने के बाद सिंचाई करते कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	8.9.22	3	5

पेड़ हमारे जीवन का आधार : कुलपति

जागरण संवाददाता, हिसार : पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को ये प्राकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए व्यक्त किए। कुलपति ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव के दौरान विश्वविद्यालय ने 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है जिसे विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कौल व बावल में कृषि महाविद्यालयों के साथ मुख्य परिसर हिसार में विभिन्न कालेजों व निदेशालयों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	8.9.22	8	1-3

धान की कम अवधि में पकने वाली व बासमती किस्मों पर जोर दें किसान : काम्बोज

-धान की सीधी बिजाई तकनीक पर कृषि विज्ञान केन्द्र में जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

फतेहाबाद के कृषि विज्ञान केन्द्र में धान की सीधी बिजाई तकनीक पर आयोजित जिला स्तरीय जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. बीआर काम्बोज।

फतेहाबाद, 7 सितम्बर (ललित मेहता) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा केन्द्र परिसर पर धान की सीधी बिजाई तकनीक पर जिला स्तरीय एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न गांवों से 300 से भी ज्यादा महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर बीआर काम्बोज, कुलपति चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार एवं गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. बलवान सिंह मंडल, निदेशक विस्तार शिक्षा, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार ने की। किसानों को संबोधित करते हुए प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि जल हमारी बहुत ही अमुल्य धरोहर है, इसका सरंक्षण करके हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रख सकते है। किसानों को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा इजाद की गई नवीनतम तकनीकें जैसे लेजर लेंड लेवलर का प्रयोग, गेहूँ की तापड़ में बिजाई, धान की सीधी बिजाई एवं बेड प्लांटिंग अपनानी चाहिए जिससे न केवल पानी की बचत होगी बल्कि फसल पर लागत भी कम होगी। प्रो. काम्बोज ने किसानों को सलाह दी कि बासमती में कीटनाशकों व फंफूदनाशकों का प्रयोग करने से पहले कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों से सलाह अवश्य लें ताकि हमारे निर्यात होने वाले बासमती धान में बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने किसानों को विश्वविद्यालय द्वारा 13 व 14 सितम्बर को आयोजित होने वाले कृषि मेला (रबी) के लिए आमत्रिंत किया। डॉ. मंडल ने किसानों को फसल विविधीकरण अपनाने पर भी जोर दिया। कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक डॉ. जोगेन्द्र सिंह तोमर ने आए हुए मुख्य अतिथि, वैज्ञानिकों, अधिकारियों व किसानों का स्वागत किया एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा करवाई जाने वाली कृषि संबंधी गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार से डॉ. टोडर मल पूनियाँ ने किसानों को धान की सीधी बिजाई, फसल में खरपतवारों की रोकथाम के लिए किसानों को जागरूक किया। डॉ. विकास हुड्डा ने आने वाली रबी मौसम की सब्जियों की काश्त के बारे में वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध करवाई। इंजिनियर सुभाष भांभू ने विभाग द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन पर चलाई जा रही स्कीमों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8.9.22	4	5

हरियाणा कृषि विवि में कृषि मेला (रबी) 13-14 सितंबर को होगा

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 13-14 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय जल संरक्षण होगा। उन्होंने बताया कि मेले में किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में जल संरक्षण के लिए उपयुक्त प्रौद्योगिकियों की सभी जानकारियां दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिलेगी। शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान ने बताया कि पूर्व की भांति इस साल भी मेला बालसमंद सड़क मार्ग पर विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के सामने अनुसंधान फार्म पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	8-9-22	4	1-5

सलाह • 15 सितंबर तक गन्ने की फसल की देखभाल कर अधिक उपज पा सकते हैं किसान

सितंबर में गन्ने की फसल में लग सकता है पोक्का: बोइंग व लाल सड़न रोग, देखभाल जरूरी, फसल को गिरने से बचाने को करे बंधाई

महबूब अली | हिसार

सितम्बर माह में गन्ने की फसल में पोक्का: बोइंग और लाल सड़न और अन्य रोगों के फैलने की अधिक संभावना है। ऐसे में रोगों से बचाने के लिए 15 सितम्बर तक किसानों को गन्ने की फसल की उचित देखभाल करनी जरूरी होती है।

एचएयू के कुलपति प्रोफेसर बीआर काम्बोज और करनाल उचानी के रीजनल डायरेक्टर डॉ. ओपी चौधरी ने प्रदेश के किसानों को गन्ने में लगने वाली बीमारियों से बचाव की सलाह दे रहे हैं।

गन्ने की फसल के लिए 15 सितम्बर तक निम्न क्रियाएं अपनाएं

- यदि मॉनसून की शुरुआत के बाद शुष्क मौसम होता है तो 8.10 दिन बाद सिंचाई जारी करें।
- पछेती बिजाई में मिट्टी ठीक से व यथा संभव जल्दी चढ़ाएं।
- यदि सिंचाई का पानी सीमित हो तो वैकल्पिक खूड़ों में सिंचाई करें।
- अधिक वर्षा होने पर अतिरिक्त पानी निकाल दें। यदि भारी वर्षा हो तो जल निकासी के बाद 25 किलो यूरिया प्रति एकड़ की दर से डालें।
- गन्ने को गिरने से बचाने के लिए बंधाई करें। पिछले सप्ताह से जड़ बेधक की तितलियां निकल रही हैं व अपने अंडे पत्तों पर दे रही हैं। जड़बेधक का प्रकोप भी खेतों में दिख रहा है।
- तराई बेधक का आक्रमण भी इन दिनों देखा गया है। बेधक की रोकथाम के लिए 10 दिन के अंतर पर ट्राइकोग्रामा परजीवी के 20 हजार अंडे प्रति एकड़ की दर से छोड़ें।
- लाल सड़न रोग से ग्रस्त खेत का पानी दूसरे खेतों में न जाने दें।

> *किसानों को ऑनलाइन और ऑनलाइन माध्यम से गन्ने की फसल में रोगों से बचाव की जानकारी दी जा रही है। किसान एचएयू में आकर भी निशुल्क जानकारी हासिल कर सकते हैं।*
>
> **-प्रोफेसर बीआर काम्बोज**, कुलपति, एचएयू, हिसार

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	07.09.2022	--	--

पेड़ मानव जाति को प्रकृति का अनमोल उपहार, इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य: कुलपति

नभ-छोर न्यूज़ ⏭ 07 सितंबर

हिसार। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को प्रकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि व्यक्त किए। उन्होंने कहा पेड़ सही मायने में पर्यावरण के सच्चे योद्धा हैं, जो इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं और हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। मिट्टी से जहरीले पदार्थों को सोखना, तापमान को नियंत्रित करना, भूमि के कटाव को रोकना, जैव विविधता बढ़ाना, ईंधन व इमारतों के लिए लकड़ी प्रदान करना, विभिन्न प्रकार की औषधियां बनाना आदि में पेड़ बहुत सहायता करते हैं। इसलिए पौधारोपण को सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिएं और इनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.09.2022	--	--

जल हमारी अमूल्य धरोहर : प्रो. बीआर काम्बोज

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत कृषि विज्ञान केन्द्र, फतेहाबाद द्वारा केन्द्र के परिसर पर धान की सीधी बिजाई तकनीक पर जिला स्तरीय एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिले के भिन्न-भिन्न गांवों से 300 से भी ज्यादा महिला एवं पुरुष किसानों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हकृवि कुलपति प्रो. बी.आर.काम्बोज थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. काम्बोज ने कहा कि जल हमारा बहुत ही अमूल्य धरोहर है, इसका संरक्षण करके हम आने वाली पीढ़ियों के लिए जल सुरक्षित रख सकते हैं। उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि धान की कम अवधि में पकने वाली किस्मों व बासमती किस्मों पर जोर देना चाहिए जिससे हम पानी की बचत व फसल अवशेष प्रबंधन करने में भी आसानी होगी। प्रो. काम्बोज ने किसानों को सलाह दी की बासमती में कीटनाशकों व फंफूदनाशकों का प्रयोग करने से पहले कृषि वैज्ञानिकों व कृषि अधिकारियों से सलाह अवश्य लें ताकि हमारे निर्यात होने वाले बासमती धान में बाधा उत्पन्न न हो। डॉ. बलवान सिंह मंडल ने किसानों को प्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों से जुड़कर नई तकनीकों का प्रयोग करना चाहिए। कृषि विज्ञान केन्द्र के समन्वयक डा. जोगेन्द्र सिंह तोमर ने आए हुए मुख्य अतिथि, वैज्ञानिकों, अधिकारियों व किसानों का स्वागत किया एवं कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा करवाई जाने वाली कृषि संबंधी गतिविधियों के बारे में अवगत करवाया। डॉ. टोडरमल पूनिया ने किसानों को धान की सीधी बिजाई फसल में खरपतवारों की रोकथाम के लिए किसानों को जागरूक किया। इस मौके पर कृषि विज्ञान केन्द्र, सदलपुर के समन्वयक डा. नरेन्द्र कुमार, डॉ. सरदूल मान, डॉ. ओमप्रकाश, डॉ. संतोष कुमार, डॉ विकास हुड्डा, डॉ. देवेन्द्र जाखड, डॉ. सुनील बैनीवाल एवं डॉ. रेनू उपस्थित थे। अतः में डॉ. संतोष कुमार सिंह ने मुख्य अतिथि, वैज्ञानिकों, किसानों एवं अधिकारियों का धन्यवाद किया।

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	07.09.2022	--	--

पेड़ जीवन का आधार व पर्यावरण के सच्चे योद्धा : वीसी

हिसार (चिराग टाइम्स न्यूज)। पेड़ हमारे जीवन का आधार हैं और मानव जाति को ये प्राकृति का अनमोल उपहार भी। इनकी सुरक्षा करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने विश्वविद्यालय के बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोलते हुए व्यक्त किए। उन्होंने कहा पेड़ सही मायने में पर्यावरण के सच्चे योद्धा हैं, जो इसे स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं और हमें जीवनदायनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। मिट्टी से जहरीले पदार्थों को सोखना, तापमान को नियंत्रित करना, भूमि के कटाव को रोकना, जैव विविधता बढ़ाना, ईंधन व इमारतों के लिए लकड़ी प्रदान करना, विभिन्न प्रकार की औषधियां बनाना आदि में पेड़ बहुत सहायता करते हैं। इसलिए पौधारोपण को सामाजिक अभियान के तौर पर लिया जाना चाहिए और प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए और इनकी सुरक्षा करनी चाहिए। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने कहा आजादी का अमृत महोत्सव दौरान विश्वविद्यालय ने 75 हजार पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है जिसे विश्वविद्यालय के प्रदेशभर में स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों, क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों, कौल व बावल में कृषि महाविद्यालयों के साथ मुख्य परिसर हिसार में विभिन्न कॉलेजों व निदेशालयों के माध्यम से पूरा किया जा रहा है। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. जीत राम शर्मा ने कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट जनों का स्वागत करते हुए अनुसंधान फार्म पर जारी शोध कार्यों का ब्यौरा दिया जबकि बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र कुमार मोर ने खरीफ फसलों के प्रजनक बीज उत्पादन बारे जानकारी दी और कुलपति को प्रजनक बीज क्षेत्र का अवलोकन करवाया। कुलपति ने कहा विश्वविद्यालय किसानों को उच्च गुणवत्ताशील बीज दे रहा है। कार्यक्रम के अंत में कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. एस.के. पाहुजा ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। कार्यक्रम में हकृवि के सभी कॉलेजों के अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।